

(d) if so, the reasons for declaring surplus of these viewers ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (DEFENCE PRODUCTION) (SHRI P.C. SETHI) : (a) Yes, Sir.

(b) Some supervisory staff i.e., Foreman/Assistant Foreman and Supervisor Technical have become surplus to the establishment, but have been adjusted against alternative vacancies either in the same establishment or in other establishments under the Directorate General of Inspection.

(c) No, Sir. Actually there has been reduction in workload in IGS, New Delhi.

(d) The Viewers concerned have been declared surplus on account of reduction in the establishment on the basis of the result of examination of the establishment by Staff Inspection Unit of the Ministry of Finance.

Setting up of Polyester Fibre Plant in U.P.

4454. SHRI S. M. BENERJEE : Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS be pleased to state :

(a) whether the Polyester Fibre Plant in U.P. has since been established;

(b) if so, its employment potential; and

(c) when the production is likely to be started ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (SHRI D.R. CHAVAN) : (a) An industrial licence has been issued for a polyester fibre plant to be located at

Ghaziabad in U. P. This plant is still to go into production.

(b) It is expected to employ 321 persons.

(c) By the end of 1972.

जनकपुरी कालोनी, दिल्ली में सार्वजनिक अस्पताल और औषधालय खोलना

4455. श्री राम गोपाल शालवाले : क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित जनकपुरी कालोनी एशिया में सबसे बड़ी कालोनी है परन्तु वहां निवासियों के लिए कई मीलों तक कोई अस्पताल अथवा औषधालय नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का वहां कोई सार्वजनिक अस्पताल अथवा औषधालय खोलने का विचार है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री ब० सू० श्रुति) : (क) जनकपुरी आवासिक योजना के अन्तर्गत उसके पूर्ण विकास होने पर लगभग 90,000 व्यक्तियों को बसाने का प्रस्ताव है। यह दिल्ली विकास प्राधिकरण की एक प्रमुख परियोजना है। इस योजना में लगभग 18 एकड़ जमीन का एक टुकड़ा अस्पताल के लिए आरक्षित किया गया है। अनेक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए भूमि दिल्ली के वृहद् आयोजन में दिए गए मानकों के अनुसार समाज केन्द्रों, जिला केन्द्रों अथवा आवासिक